## 75 Written Answers

1.00

Statement

Requirement of gas indicated by Government of Maharashtra

Nime of the Project	Max. De- mand of Gas in MCMPD
RCF, Trombay	<b>3.33</b>
RCF, Thal Vaishet	• 4• 46
Deepak Fertilizer, Taloja .	. 0*30
LPG Production & selfconsump- tion by ONGC	1,50
Tata Thermal Station, Tromb:	3. 27
MSEB, Uran	3-68
Domestic Consumers, Bombay	1.00
Textile Mills, Bombay	1'02
Bharat Electronics & Indo Aschi (TV Shells)	0.09
Gas Gracker & Petro-chemical Complex Nagothane (NGCC & MPCL)	1.60
Hindustan Organic Chemicals, Rasayani	o· 48
Methanol—3000 TPD .	. 3.00
Sponge Iron Project	. 0' 50
New Fertilizer Plants : .	•
(i) 1350 TPD of Ammonia+DA	VP 2'40
(ii) 900 TPD of Ammonia + DA	P 1.60
Union Carbide India Ltd.	• 0•12
New Projects like Methyl Metha crylate Hydrocyanic Acid Chlo amethanes, etc.	
Glass Industries	. 0*30
Domestic consumers in Nasik, Pune, Thane, Ambernath, Ulhasnagar, Bhivandi, Kalyan etc.	, . o•6o
Industries in above areas	3.00
	<u>91+81</u>

मैं० झाई० टी० सी० के उत्पावन तथा | ग्रामबनी में वृद्धि

1 358. श्री रामभगत पासवान : क्या विधि, न्याय झौर कम्पनी कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1960 की तुलना में 1982 में ग्राई० टी० सी० के उत्पादन में कितनी वृद्धि हुई अधा उसकी ग्रामदनी कितनी बढी ;

(ख) क्या यह सच है कि इस कम्पनी ने विदेशों में भी मपना व्यापार बढ़ा लिया है ; और

(ग) यदि हां, तो इस कम्पनी ढारा भारम्भ किये गये विभिन्न व्यापारों का व्यौरा क्या है?

विधि, स्थाय ग्रौर कम्पनी कार्य मंत्रालय में डपमंत्रों (श्रें गुलाम नबी ग्राजाद) : (क) सिगरेटों, जो ग्राई० टी० सी० द्वारा विनिर्माण की प्रमुख वस्तु है का उत्पादन 1960 में 17294 मिलियन से 1982 में 37203 मिलियन तक बढ़ गया। इस ग्रवधि के दौरान, कम्पनी की ग्रामदनी 1960 में 37.1 करोड़ रु० से 1982 में 588.6 करोड़ रु० तक बढ़ गई।

(ख) तथा (ग) कम्पनी ने इस अवधि के ऊपर विदेशों में अपना निर्यात व्यापार बढ़ा लिया है। कम्पनी, जो केवल तैयार तम्बाकू की ही निर्यातकर्ता थी, अब सिगरेट तथा दरियां, हस्तउपकरण, यस्त्र तथा समुद्रीय खाद्य पदार्थों जैसी यस्तुओं का निर्यात करती है। 1977 में कम्पनी को होटल काठम,ंडू के साम्प हिस्सों में सहभागिता एवं इसे भारतीय संयुक्त उपक्रम के रूप में संचालित करने, की अनुमति प्रदान की गई थी।